DSSSB PRT, TGT & PGT

Part(A+B)

SCHOLAR BATCH

हिन्दी

आत्मकथा, रिपोर्ताज, डायरी, रेखाचित्र, संस्मरण,

जीवनी, यात्र वृतांत, एंकाकी

Part -2

LIVE 18-07-2024 09:00 AM

रिपोर्ताज

रिपोर्ताज फ्रांसीसी भाषा का शब्द है और अंग्रेजी शब्द 'रिपोर्ट' से इसका गहरा सम्बन्ध है। रिपोर्ट किसी घटना के यथातथ्य वर्णन को कहते हैं। रिपोर्ताज में लेखक किसी भी आयोजन, घटना, संस्था आदि का कलात्मक ढंग से ब्यौरे-बार रिपोर्ट तैयार करता है।

रिपोर्ताज आँखों देखी घटनाओं पर लिखा जाता हैं। इसका विषय वास्तविक और सच्चा होता है। रिपोर्ताज लेखक को पत्रकार तथा कलाकार दोनों की ही जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। द्वितीय विश्वयुद्ध के समय यूरोप के रचनाकारों ने युद्ध के मोर्चे से साहित्यिक रिपोर्ट तैयार की। इन रिपोर्टों को ही बाद में रिपोर्ताज कहा गया।

हिन्दी के प्रमुख रिपोर्ताज

लेखक एवं रिपोर्ताज तथा उनका प्रकाशन वर्ष निम्नलिखित हैं-

लेखक	रिपोर्ताज	प्रकाशन वर्ष
शिवदान सिंह चौहान	लक्ष्मीपुरा मौत के खिलाफ जिन्दगी की लड़ाई	1938
रांगेय राघव	तूफानों के बीच	1941
प्रकाश चन्द्र गुप्त	स्वराज भवन अल्मोड़े का	-
	बाजार बंगाल का अकाल	-
उपेन्द्रनाथ अश्क	पहाड़ों में प्रेममय संगीत	-
भदन्त आनन्द कौसल्यायन	देश की मिट्टी बुलाती है।	-

रामनारायण उपाध्याय	गरीब और अमीर पुस्तकें	1958
	नववर्षांक समारोह में	
शिवसागर मिश्र	वे लड़ेंगे हजार साल	1966
धर्मवीर भारती	युद्ध यात्रा	1972
कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'	क्षण बोले कण मुस्काए	1953
शमशेर बहादुर सिंह	प्लाट का मोर्चा	1952
फणीश्वरनाथ 'रेणु'	ऋणजल धनजल	1977

फणीश्वर नाथ रेणु	नेपाली क्रान्ति कथा	1978
	अश्रुत पूर्व एकलव्य के नोट्स	1984
विवेकी राय	जुलूस रूका है बाढ़ ! बाढ़ ! बाढ़ !!!	1977
भगवतशरण उपाध्याय	खून के छींटे	-
रामकुमार वर्मा	पेरिस के नोट्स	-
कैलाश नारद	धरती के लिए	-

जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी	चीनियों द्वारा निर्मित काठमाण्डू	
निर्मल वर्मा	- ल्हासा सड़क	-
सती कुमार	प्राग : एक स्वप्न	-
श्रीकान्त वर्मा	क्या हमने कोई षड्यन्त्र रचा था	-
कमलेश्वर	मुक्ति फौज	-
	क्रान्ति करते हुए आदमी को	
चंडी प्रसाद सिंह	देखना	1897
यशपाल जैन	युवराज की यात्रा	-
	रूस में छियालीस दिन	

रेखाचित्र

रेखाचित्र शब्द अंग्रेजी के स्क्रेच शब्द का अनुवाद है तथा दो शब्दों रेखा और चित्र के योग से बनता है।

इसमें रेखाओं के सहारे व्यक्ति या वस्तु का भावपूर्ण चित्र प्रस्तुत किया जाता है। रेखाचित्र शब्द चित्रकला का है, जिसका अर्थ ऐसा खाका जिसमें क्रमबद्ध ब्यौरे न दिए गए हों उसी के अनुकरण पर लिखना रेखाचित्र कहलाता है। इसी प्रकार थोड़े से शब्दों में किसी व्यक्ति, घटना, स्थान या वस्तु को चित्रित कर देना कुशल रेखाचित्रकार का ही कार्य है।

लेखक	रेखाचित्र	प्रकाशन वर्ष
पद्मसिंह शर्मा	पद्मपराग	1929
श्रीराम शर्मा	बोलती प्रतिमा	1937
	प्राणों का सौदा	1939
	जंगल के जीव	1949
	वे जीते कैसे हैं?	1957

महादेवी वर्मा	अतीत के चलचित्र	1941
	स्मृति की रेखाएँ	1947
	पथ के साथी	1956
	स्मारिका	1971
	मेरा परिवार	1972
बनारसी दास चतुर्वेदी	हमारे आराध्य	1952
	रेखाचित्र	1952
	सेतुबन्ध	1962

रामवृक्ष बेनीपुरी	लालतारा	1938
	माटी की मूरतें	1946
	गेहूँ और गुलाब	1950
	मील के पत्थर	-
कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'	माटी हो गई सोना दीप जले	-
	शंख बजे	
विनय मोहन शर्मा	रेखा और रंग	1955
प्रेमनारायण टण्डन	रेखाचित्र	1959
डॉ. नगेन्द्र	चेतना के बिम्ब	1967

सेठ गोविन्ददास	चेहरे जाने पहचाने	1966
देवेन्द्र सत्यार्थी	रेखाएँ बोल उठीं	1949
कृष्णा सोबती	हम हशमत	1977
भीमसेन त्यागी	आदमी से आदमी तक	1982
सत्यवती मलिक	अमिट रेखाएँ	1951
उपेन्द्रनाथ अश्क	रेखाएँ और चित्र	1955
विष्णु प्रभाकर	कुछ शब्द : कुछ रेखाएँ	1965
जगदीश चन्द्र माथुर	दस तस्वीरें	1963
माखनलाल चतुर्वेदी	समय के पाँव	1962

संस्मरण

- 'संस्मरण' शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है' सम् + स्मरण' अर्थात् सम्यक् स्मरण। किसी घटना, किसी व्यक्ति अथवा वस्तु का स्मृति के आधार पर कलात्मक वर्णन करना संस्मरण कहलाता है।
- इसमें स्वयं की अपेक्षा उस व्यक्ति, वस्तु या जगह की घटना का महत्त्व अधिक होता है, जिसके विषय में लेखक संस्मरण लिख रहा होता है। संस्मरण में लेखक कल्पना का कम और सत्यता का अधिक प्रयोग करता है। इसमें लेखक वही लिखता है, जो उसने देखा हो या अनुभव किया हो। इसका विवरण हमेशा प्रामाणिक होता है।

- संस्मरण और रेखाचित्र में बहुत सूक्ष्म अन्तर है। कुछ विद्वानों ने तो इन दोनों विधाओं को एक-दूसरे की पूरक विधा भी कहा है।
- बालमुकुन्द गुप्त द्वारा वर्ष 1907 में प्रतापनारायण मिश्र पर लिखे संस्मरण को हिन्दी का प्रथम संस्मरण माना जाता है। बाद में इस काल की एकमात्र संस्मरण पुस्तक हरिऔध पर केन्द्रित गुप्त जी द्वारा लिखित 'हरिऔध के संस्मरण' नाम से प्रकाशित हुई। सरस्वती में स्वयं महावीर प्रसाद द्विवेदी ने कई संस्मरण लिखे हैं।

लेखक	संस्मरण	प्रकाशन वर्ष
महावीर प्रसाद द्विवेदी	अनुमोदन का अन्त	1905
	सभा की सभ्यता	1907
	अतीत स्मृति	1905
काशीप्रसाद जायसवाल	इंग्लैण्ड के देहात में महाराज	1907
	बनारस का कुआँ	
प्यारेलाल मिश्र	लन्दन का फाग या कुहरा	1908
रामकुमार खेमका	इधर-उधर की बातें	1918
वृन्दालाल वर्मा	कुछ संस्मरण (सुधा में)	1921

इलाचन्द्र जोशी	मेरे प्राथमिक जीवन की स्मृतियाँ (सुमा में प्रकाशित) गोर्की के संस्मरण	1921 1942
पद्मसिंह शर्मा	पद्म पराग प्रबन्ध मंजरी	1929
श्रीराम शर्मा	शिकार प्राणों का सौदा जंगल के जीव वे जीते कैसे हैं	1936 1949 1957
मन्मथनाथ गुप्त	सन् बयालीस के संस्मरण क्रान्तियुग के संस्मरण	1948 1937

शिवनारायण टण्डन	झलक	1938
घनश्याम बिड़ला	बापू	1940
रामनरेश त्रिपाठी	तीस दिन मालवीय जी के साथ	1942
बनारसी दास चतुर्वेदी	हमारे आराध्य	1952
	संस्मरण	1952
राधिका रमण प्रसाद सिंह	टूटा तारा (स्मरण मौलवी साहब, दैवी बाबा)	1940
महादेवी वर्मा	पथ के साथी	1956
	स्मारिका	1971
	स्मृति की रेखाएँ	1947

जैनेन्द्र कुमार	ये और वे	1954
	गाँधी कुछ स्मृतियों	1954
रामवृक्ष बेनीपुरी	मुझे याद है	1955
	कुछ मैं कुछ वे	1959
	जंजीरें और दीवारें	1957
राहुल सांकृत्यायन	बचपन की स्मृतियों	1955
	जिनका मैं कृतज्ञ	1956
	मेरे असहयोग के साथी	1956
सत्यजीवन वर्मा 'भारतीय'	एलबम	1949
ओंकार शरद	लंका महाराजिन	1950

कैलाशनाथ काटजू	मैं भूल नहीं सकता	1955
उपेन्द्रनाथ अश्क	मण्टो मेरा दुश्मन या दोस्त	1956
	ज्यादा अपनी कम परायी	1959
सेंठ गोविन्द दास	स्मृत्तिकरण	1959
इन्द्र विद्यावाचस्पति	मैं इनका ऋणी हूँ	1959
विनोद शंकर व्यास	प्रसाद और उनके समकालीन	1960
हरिवंशराय बच्चन	नये पुराने झरोखे	1962
सम्पूर्णानन्द	कुछ स्मृतियाँ और स्फुट विचार	1962

विष्णु प्रभाकर	जाने -अनजाने	1962
	यादों की तीर्थयात्रा	1981
	मेरे अग्रज मेरे मीत, समान्तर रेखाएँ हम इनके ऋणी हैं, एक दिशाहीन सफर, साहित्य के स्वप्न पुरुष, राह चलते चलते, हमारे पथ प्रदर्शक, हमसफर मिलते हैं	1983
	सृजन के सेतु, आकाश एक है, यादों की छाँव में	1990

माखनलाल चतुर्वेदी	समय के पाँव	1962
क्षेमचन्द्र 'सुमन'	जैसा हमने देखा	1963
जगदीश माथुर चन्द्र	दस तस्वीरें	1963
सुमित्रानन्दन पन्त	साठ वर्ष: एक रेखांकन	1963
रायकृष्ण दास	जवाहर भाई उनकी अत्मीयता और सहृदयता	1965
हरिभाऊ उपाध्याय	मेरे हृदयदेव	1965
रामधारी सिंह दिनकर	संस्मरण और श्रद्धांजलियों	1969
लक्ष्मीनारायण सुधांशु	व्यक्तित्व की झांकियाँ	1970
डॉ. नगेन्द्र	चेतना के बिम्ब	1967
काका कालेलकर साहेब	गाँधी संस्मरण और विचार	1968

डॉ. हर गुलाल	घेरे के भीतर और बाहर	1968
अजित कुमार एवं ओंकारनाथ श्रीवास्तव	बच्चन निकट से	1968
जानकी वल्लभ शास्त्री	स्मृति के वातायन	1968
पद्मिनी मेनन	चाँद	1969
जगदीश चन्द्र माथुर	जिन्होंने जीना जाना	1971
पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी	अन्तिम अध्याय	1972
अमृतलाल नागर	जिनके साथ जिया	1973
लक्ष्मीशंकर व्यास	स्मृति की त्रिवेणिका	1974
कमलेश्वर	मेरा हमदम मेरा दोस्त	1975
क्षेमचन्द्र सुमन	रेखाएँ और संस्मरण	1975

अनीता राकेश	चन्द सन्तरे और	1975
परिपूर्णानन्द	बीती यादें	1976
रामनाथ सुमन	मैंने स्मृति के दीप जलाए	1976
भगत सिंह	मेरे क्रान्तिकारी साथी	1977
कृष्णा सोबती	हम हशमत	1977
अज्ञेय	स्मृति लेखा	1986
कमल किशोर गोयनका	हजारी प्रसाद द्विवेदी कुछ संस्मरण	1988
बिन्दु अग्रवाल	भारत भूषण अग्रवाल : कुछ यादें कछ चर्चाएँ	1989
	यादें और बातें	1998

काशीनाथ सिंह	याद हो कि न याद हो	1992
	आधे दिन पाछे गए	2004
	घर का जोगी जोगड़ा	2006
अजित कुमार	निकट मन में	1992
	निकट मन में दर वन में	2012
प्रकाशवती पाल	लाहौर से लखनऊ तक	1994
गिरिराज किशोर	सप्तपर्णी	1994
दूधनाथ सिंह	लौट आओ धार	1995
	एक शमशेर भी है	2012
रामदरश मिश्र	स्मृतियों का छन्द	1995
	अपने अपने रास्ते	2001

प्रफुल्ल चन्द ओझा	अतीत जीवी	1995
रवीन्द्र कालिया	सृजन के सहयात्री	1996
विष्णु चन्द्र शर्मा	अभिन्न	1996
रामनाथ अवस्थी	याद आते हैं	2000
देवेन्द्र सत्यार्थी	यादों के काफिले	2000
शंकर दयाल सिंह	कुछ ख्वाबों में कुछ ख्यालों में	1978
विष्णुकान्त शास्त्री	संस्मरण को पाथेय बनने दो	1978
भारत भूषण अग्रपाल	लौक-अलोक	1980
राजेन्द्र यादव	औरों के बहाने	1981
	वे देवता नहीं हैं	2000

भगवती चरण वर्मा	अतीत के गर्त से,	1979
	हम खण्डहर के वासी	
रांगेय राघव	पुनः सुलोचना	1979
मैथिलीशरण गुप्त	श्रद्धांजलि संस्मरण	1979
विष्णुकान्त शास्त्री	सुधियों उस चन्दन के वन की	1992
	पर साथ साथ चल रही याद	2004
शंकर दयाल सिंह	कुछ ख्वाबों कुछ ख्यालों में	1978
कुँवर सुरेश सिंह	यादों के झरोखे	1980
प्रतिभा अग्रवाल	सृजन का सुख-दुःख	1981
रामेश्वर शुक्ल 'अंचल'	युग पुरुष	1983
भीमसेन त्यागी	आदमी से आदमी तक	1982

अमृत राय	जिनकी याद हमेशा रहेगी	1992
अजित कुमार	निकट मन में	1992
पद्मा सचदेव	दीवानखाना	1984
	मितवा घर	1995
	अमराई	2000
विश्वनाथ प्रसाद तिवारी	एक नाव के यात्री	2001
विद्यानिवास मिश्र	चिड़िया रैन बसेरा	2002
मनोहर श्याम जोशी	लखनऊ मेरा लखनऊ, रघुवीर सहाय रचनाओं के बहाने एक संस्मरण, बातों बातों में	2003

डॉ, विवेकीराय	आँगन के बंदनवार	2003
	मेरे सुहृदय श्रद्धय	2005
विश्वनाथ त्रिपाठी	नंगा तलाई का गाँव.	2004
	व्योमकेश दरवेश	2010
	गंगा स्नान करने चलोगे	2012
अमरकान्त	कुछ यादें : कुछ बातें	
फणीश्वर नाथ 'रेणु'	बन तुलसी की गंध समय की शिला पर	
धर्मवीर भारती	ठेले पर हिमालय	1958

नीलाभ अश्क	ज्ञानरंजन के बहाने	2012
नरेन्द्र कोहली	स्मृतियों के गलियार से	2012
मधुरेश	आलोचक का आकाश	2012

निराला के 'बिल्लेसुर बकरिहा' और 'कुल्लीभाट' में संस्मरण और रेखाचित्र का संयोग है। इन्हे किसी एक विधा के अन्तर्गत रखना सम्भव नहीं है।
बनारसीदास चतुर्वेदी की कृति 'संस्मरण' में संकलित रचनाओं की शैली पर इनके मानवीय पक्ष की प्रबलता को देखा जा सकता है। इनके संस्मरण रोचकता के लिए विशेष प्रसिद्ध हुए।